

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	युधिष्ठिर की वेदना
शीर्षक	क्षमा का महत्व
समय	एक कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	सृजनात्मक लेखन एवं सटीकता, भाषिक जागरूकता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और कार्यपत्र 1.2

चरण:-

1. शैक्षिक अधिगम: *

* विद्यार्थियों में पत्र लेखन कला एवं प्रारूप समझ बढ़ सकेगी।

* विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि और स्वाध्याय की प्रवृत्ति का विकास हो सकेगा।

2. अध्यापिका गतिविधि :

* अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ की कहानी को पढ़ कर अपने जीवन की किसी एक घटना के बारे में सोचने का निर्देश देंगी जब उन्होंने किसी का दिल दुखाया हो और क्षमा भी मांग ली हो अथवा उनका किसी ने दिल दुखाया हो और उन्होंने उसे क्षमा कर दिया हो।

* तत्पश्चात् उस घटना का उदाहरण देते हुए वे क्षमा का महत्व समझाते हुए अपने छोटे भाई, बहन अथवा मित्र को पत्र लिखने के लिए कहेंगी।

* अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।

* अंत में अध्यापिका उनके पत्र का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी।

3. विद्यार्थी - गतिविधि:-

* अध्यापिका से प्राप्त निर्देशानुसार पाठ की कहानी को पढ़ कर विद्यार्थी अपने जीवन की किसी एक घटना के बारे में सोचेंगे जब उन्होंने किसी का दिल दुखाया हो और क्षमा भी मांग ली हो अथवा उनका किसी ने दिल दुखाया हो और उन्होंने उसे क्षमा कर दिया हो।

* तत्पश्चात् उस घटना का उदाहरण देते हुए वे क्षमा का महत्व समझाते हुए अपने छोटे भाई, बहन अथवा मित्र को पत्र लिखेंगे।

* अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपना कार्य अध्यापिका को देंगे।

4. मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

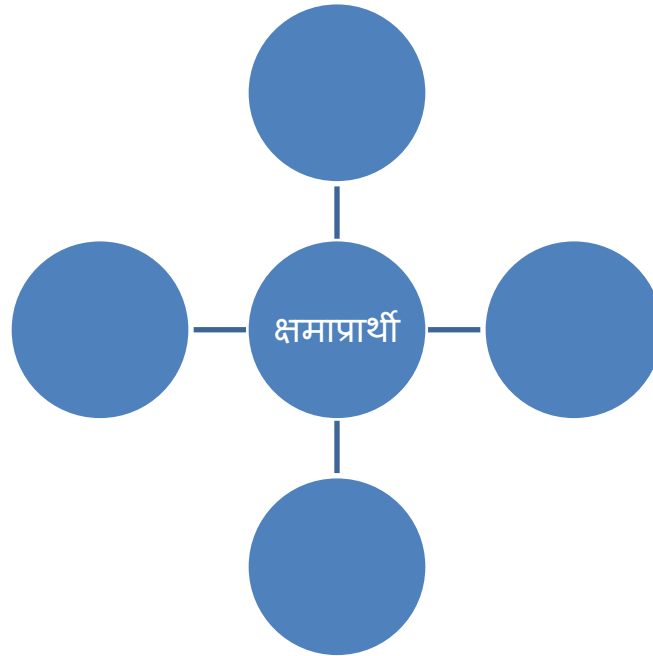
पाठ: युधिष्ठिर की वेदना

गतिविधि : क्षमा का महत्व

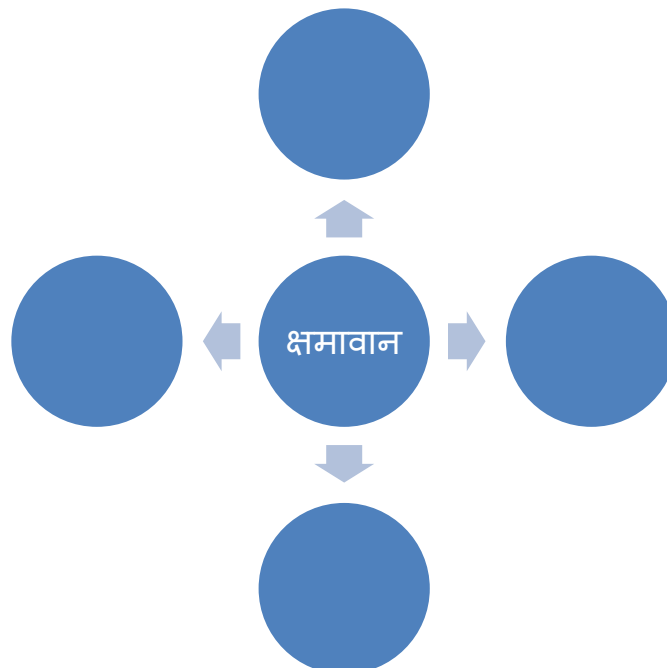
विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1.क्षमाप्रार्थी को मिलने वाले लाभ नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।



प्रश्न.2.क्षमावान को मिलने वाले लाभ नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।



प्रश्न.3.भूल करने वाले के क्षमा मांगने और क्षमा मांगने के बाद उसे क्षमा कर देने पर दोनों ही पक्षों को बहुत शांति मिलती है । इसी लिए क्षमा को जैन धर्म के अनुयायी इसे 'क्षमा-पर्व' के नाम से मनाते हैं । जनमानस में क्षमा के प्रति जागरूकता दिखाते हुए क्षमा के महत्व के प्रचार -प्रसार हेतु दो-दो नारे लिखिए

1.

2